पैसे से पैसा कैसे बनाएं?

Financial Literacy — पठन सामग्री (Reading Notes)

Ramesh Prasad Badoni, IT Faculty, SCERT Uttarakhand

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप जान पाएँगे —

1. वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy) क्या है और क्यों ज़रूरी है
2. 50-30-20 नियम से Budget कैसे बनाएं
3. Emergency Fund और Insurance का महत्व
4. Compound Interest और Rule of 72 कैसे काम करते हैं
5. SIP से नियमित निवेश करके पैसा कैसे बढ़ता है
6. कर्ज़ और वित्तीय धोखाधड़ी से कैसे बचें

1. वित्तीय साक्षरता क्या है?

वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy) का अर्थ है — पैसे को समझदारी से कमाना, खर्च करना, बचाना और निवेश करना। यह केवल ज़्यादा कमाने के बारे में नहीं है, बल्कि जो पैसा हम कमाते हैं उसका सही उपयोग करने के बारे में है।

अक्सर दो लोग एक जैसी कमाई करते हैं, फिर भी कुछ सालों बाद एक आर्थिक रूप से मज़बूत होता है और दूसरा कर्ज़ में। इसका कारण आमदनी नहीं, बल्कि **पैसे से जुड़ी आदतें** होती हैं।

उदाहरण: अमित और राहुल

अमित और राहुल दोनों 25 साल के हैं। दोनों की नौकरी और तनख्वाह एक जैसी है — **₹25,000 प्रति माह**। अमित हर महीने ₹5,000 बचाकर निवेश करता है, जबकि राहुल पूरी सैलरी खर्च कर देता है और Credit Card व EMI पर चीज़ें खरीदता है। आगे के अध्यायों में हम देखेंगे कि 20 साल में दोनों के बीच कितना बड़ा अंतर आ जाता है।

2. Step 1 — Budget बनाइए (50-30-20 नियम)

Budget यह योजना है कि आपकी आमदनी कहाँ और कितनी खर्च होगी। सबसे आसान तरीका **50-30-20 नियम** है:

हिस्सा	प्रतिशत	₹25,000 सैलरी पर	उदाहरण
ज़रूरतें (Needs)	50%	₹12,500	किराया, राशन, बिजली, यात्रा, फ़ीस
इच्छाएँ (Wants)	30%	₹7,500	घूमना, कपड़े, मूवी, बाहर खाना
बचत और निवेश (Savings)	20%	₹5,000	Emergency Fund, SIP, PPF

> **याद रखिए**
>
> **पहले बचत, फिर खर्च।** सैलरी आते ही 20% हिस्सा अलग कर दें, बाकी से खर्च चलाएँ। खर्च के बाद जो बचे, उसे बचाने का इंतज़ार न करें।

Budget के उपयोगी सुझाव

- हर महीने के खर्च लिखें — डायरी, Excel या मोबाइल app में।
- "ज़रूरत" और "इच्छा" में फ़र्क करना सीखें — हर नई चीज़ ज़रूरत नहीं होती।
- सैलरी बढ़ने पर बचत का प्रतिशत भी बढ़ाएँ।

3. Step 2 — Emergency Fund

ज़िंदगी में अचानक मुसीबत आ सकती है — **बीमारी, नौकरी जाना, या घर की मरम्मत**। ऐसे समय के लिए अलग रखा गया पैसा **Emergency Fund** कहलाता है। यह एक छाते की तरह है जो मुश्किल की बारिश में आपको बचाता है, ताकि आपको कर्ज़ न लेना पड़े।

प्रश्न	उत्तर
कितना पैसा रखें?	कम से कम 6 महीने के ज़रूरी खर्च के बराबर
उदाहरण	महीने का ज़रूरी खर्च ₹12,500 → Emergency Fund = 6 × ₹12,500 = ₹75,000
कहाँ रखें?	ऐसी जगह जहाँ से तुरंत निकाल सकें — Savings Account, FD या Liquid Fund
कब उपयोग करें?	केवल असली आपात स्थिति में, शॉपिंग या घूमने के लिए नहीं

Insurance — सुरक्षा की दूसरी दीवार

- **Health Insurance:** एक बड़ा अस्पताल बिल सालों की बचत खत्म कर सकता है।
- **Term Life Insurance:** यदि परिवार आप पर निर्भर है, तो उनकी आर्थिक सुरक्षा के लिए।

4. Step 3 — Compound Interest का जादू

Simple Interest में ब्याज केवल मूल राशि (Principal) पर मिलता है। **Compound Interest** में ब्याज, मूल राशि के साथ-साथ **पहले मिले ब्याज पर भी** मिलता है — यानी **ब्याज पर ब्याज**।

> **सूत्र (Formula)**
> **$A = P \times (1 + r/100)^n$**
> A = कुल राशि, P = मूल राशि, r = वार्षिक ब्याज दर (%), n = वर्ष

उदाहरण: ₹100 पर 10% वार्षिक ब्याज

वर्ष	Simple Interest से राशि	Compound Interest से राशि
1	₹110	₹110
2	₹120	₹121
3	₹130	₹133
5	₹150	₹161
10	₹200	₹259
20	₹300	₹673

शुरुआत में अंतर बहुत छोटा दिखता है (₹120 बनाम ₹121), लेकिन 20 साल में Compound Interest से राशि **दोगुने से भी ज़्यादा** हो जाती है। इसलिए Compound Interest को सबसे ज़्यादा ज़रूरत **समय** की होती है।

Rule of 72 — पैसा कितने साल में दोगुना होगा?

> **Rule of 72**
> **72 ÷ वार्षिक ब्याज दर = पैसा दोगुना होने में लगभग कितने साल**
> उदाहरण: 10% पर → 72 ÷ 10 ≈ 7 साल

ब्याज दर	दोगुना होने में लगभग
6%	12 साल
8%	9 साल
10%	7 साल
12%	6 साल

5. Step 4 — SIP (Systematic Investment Plan)

SIP में आप हर महीने एक तय रकम (जैसे ₹500, ₹1,000 या ₹5,000) **Mutual Fund** में निवेश करते हैं। यह रकम हर महीने बैंक खाते से अपने-आप कट जाती है। "बूँद-बूँद से घड़ा भरता है" — यही SIP का मूल विचार है।

SIP के लाभ

- **अनुशासन:** हर महीने बिना भूले नियमित निवेश होता है।
- **छोटी शुरुआत:** कम रकम से भी शुरू कर सकते हैं।
- **Rupee Cost Averaging:** बाज़ार नीचे होने पर ज़्यादा units और ऊपर होने पर कम units मिलती हैं, जिससे औसत लागत संतुलित रहती है।
- **Compounding का लाभ:** लंबे समय तक बने रहने पर पैसा तेज़ी से बढ़ता है।

> **SIP की दो सुनहरी बातें**
>
> 1. **जल्दी शुरू कीजिए** — जितना ज़्यादा समय, उतना ज़्यादा Compounding।
> 2. **लगातार बने रहिए** — बाज़ार गिरने पर SIP न रोकें।

6. Worked Example — अमित की SIP

अमित 25 साल की उम्र में **₹5,000 प्रति माह** की SIP शुरू करता है और 20 साल तक कभी नहीं रोकता। मान लीजिए उसे औसतन **12% वार्षिक Return** मिलता है।

> **SIP का सूत्र**
>
> **FV = P × [(1 + i)ⁿ − 1] ÷ i × (1 + i)**
>
> P = मासिक रकम (₹5,000), i = मासिक दर (12% ÷ 12 = 1% = 0.01), n = कुल महीने

अवधि	कुल लगाया पैसा	SIP की वैल्यू	Growth (मुनाफ़ा)
5 साल	₹3,00,000	₹4,12,432	₹1,12,432
10 साल	₹6,00,000	₹11,61,695	₹5,61,695
15 साल	₹9,00,000	₹25,22,880	₹16,22,880

अवधि	कुल लगाया पैसा	SIP की वैल्यू	Growth (मुनाफ़ा)
20 साल	₹12,00,000	₹49,95,740 (≈ ₹50 लाख)	₹37,95,740 (≈ ₹38 लाख)

नतीजा: पैसे ने पैसा बनाया

अमित ने कुल **₹12 लाख** लगाए, लेकिन 20 साल में उसकी SIP लगभग **₹50 लाख** की हो गई। यानी लगभग **₹38 लाख केवल Growth से** आए — यह उसकी मेहनत का नहीं, बल्कि उसके पैसे की मेहनत का फल है।

राहुल का क्या हुआ?

राहुल ने "बचत बाद में करेंगे" सोचकर कुछ नहीं बचाया। उसने Credit Card से महँगे gadgets खरीदे और हर महीने EMI में फँसता गया। 20 साल बाद उसकी बचत **₹0** है और ऊपर से कर्ज़ का बोझ।

देर से शुरू करने की कीमत

स्थिति	SIP अवधि	कुल लगाया	अंतिम वैल्यू
25 साल की उम्र में शुरू	20 साल	₹12 लाख	≈ ₹50 लाख
35 साल की उम्र में शुरू	10 साल	₹6 लाख	≈ ₹11.6 लाख

10 साल देर करने से अंतिम राशि लगभग **चार गुना कम** हो जाती है। इसलिए निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है — **समय पर शुरुआत**।

> **सीख**
>
> कमाई दोनों की एक जैसी थी — **फ़र्क सिर्फ़ आदत का था।**

7. Step 5 — इन जालों से बचिए

(क) Credit Card और महँगा कर्ज़

- Credit Card का **पूरा bill** समय पर चुकाएँ, केवल "Minimum Due" नहीं।
- बकाया राशि पर लगभग **36% से 42% सालाना** ब्याज लग सकता है।
- उदाहरण: ₹50,000 बकाया पर लगभग 3.5% मासिक ब्याज से एक साल में यह लगभग **₹75,500** हो सकता है।
- केवल ज़रूरी चीज़ों के लिए कर्ज़ लें; दिखावे के लिए EMI से बचें।

(ख) धोखाधड़ी (Fraud) से सावधान

- **"पैसा डबल"** या बहुत ऊँचे, गारंटीड return का वादा करने वाली स्कीम लगभग हमेशा धोखा होती है।
- अनजान **links** पर क्लिक न करें और अनजान apps डाउनलोड न करें।
- बैंक कभी भी फ़ोन पर **OTP, PIN या CVV** नहीं माँगता — किसी को न बताएँ।
- साइबर ठगी होने पर तुरंत **1930** (National Cyber Crime Helpline) पर कॉल करें या **cybercrime.gov.in** पर शिकायत दर्ज करें।

> **ध्यान दें**
>
> Mutual Fund निवेश बाज़ार जोखिमों के अधीन है। Return तय नहीं होता — कुछ सालों में कम या नकारात्मक भी हो सकता है। समझकर और लंबे समय के लिए निवेश करें।

8. सारांश — पैसे के 5 सुनहरे नियम

क्रम	नियम	एक पंक्ति में
1	Budget बनाइए	50% ज़रूरतें, 30% इच्छाएँ, 20% बचत — पहले बचत, फिर खर्च
2	Emergency Fund रखिए	6 महीने का ज़रूरी खर्च अलग रखें, साथ में Health Insurance
3	Compound Interest को समय दीजिए	ब्याज पर ब्याज — जितना ज़्यादा समय, उतनी ज़्यादा बढ़त
4	SIP से निवेश कीजिए	हर महीने तय रकम, जल्दी शुरू करें और लगातार बने रहें
5	कर्ज़ और धोखे से बचिए	Credit Card bill पूरा भरें, "पैसा डबल" स्कीम और OTP ठगी से दूर रहें

9. शब्दावली (Glossary)

शब्द	अर्थ
Budget	आमदनी और खर्च की मासिक योजना
Principal (मूलधन)	शुरुआत में लगाई गई मूल राशि
Interest (ब्याज)	पैसा उधार देने या जमा करने पर मिलने वाली अतिरिक्त राशि
Compound Interest	मूलधन और पहले के ब्याज, दोनों पर मिलने वाला ब्याज

शब्द	अर्थ
Return	निवेश पर हुआ लाभ, आमतौर पर प्रतिशत में
Mutual Fund	कई निवेशकों का पैसा मिलाकर विशेषज्ञ द्वारा शेयर/बॉन्ड में निवेश
SIP	Mutual Fund में हर महीने तय रकम निवेश करने का तरीका
EMI	Equated Monthly Instalment — कर्ज़ की मासिक किस्त
Emergency Fund	आपात स्थिति के लिए अलग रखा गया पैसा
Inflation (महँगाई)	समय के साथ चीज़ों की कीमतें बढ़ना, जिससे पैसे की क्रय-शक्ति घटती है

10. अभ्यास प्रश्न (Practice Questions)

1. रमेश की सैलरी ₹40,000 प्रति माह है। 50-30-20 नियम के अनुसार उसे कितनी बचत करनी चाहिए?
2. सीमा का ज़रूरी मासिक खर्च ₹15,000 है। उसका Emergency Fund कितना होना चाहिए?
3. ₹1,000 पर 10% वार्षिक Compound Interest से 2 साल बाद कुल राशि कितनी होगी?
4. Rule of 72 के अनुसार 8% ब्याज पर पैसा लगभग कितने साल में दोगुना होगा?
5. अमित ने 20 साल में कुल कितना पैसा लगाया और Growth से कितना मिला?
6. बैंक की ओर से कॉल करने वाला व्यक्ति आपसे OTP माँगता है। आपको क्या करना चाहिए?
7. Simple Interest और Compound Interest में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर

1. ₹40,000 × 20% = **₹8,000** प्रति माह
2. 6 × ₹15,000 = **₹90,000**
3. ₹1,000 × 1.1 × 1.1 = **₹1,210**
4. 72 ÷ 8 = **9 साल**
5. लगाया **₹12 लाख**, Growth से लगभग **₹38 लाख** (कुल ≈ ₹50 लाख)
6. OTP **बिल्कुल न बताएँ**, कॉल काटें; ठगी होने पर **1930** पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत करें
7. Simple Interest केवल मूलधन पर मिलता है; Compound Interest मूलधन **और पहले के ब्याज** दोनों पर मिलता है

अस्वीकरण: यह सामग्री केवल शैक्षिक उद्देश्य के लिए है। उदाहरण में 12% वार्षिक Return एक अनुमान है, गारंटी नहीं। निवेश से पहले किसी SEBI-registered सलाहकार से सलाह लें।